Ans. (b) : मरुस्थलीय क्षेत्रों में मिट्टी के अपरदन को रोकने के लिए वृक्षों की पट्टियाँ लगाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि मृदा अपरदन को रोकने के लिए उसका संरक्षण अति आवश्यक होता है। पर्वतीय भागों में सीढ़ीनुमा खेती, मरुस्थलीय भागों में वृक्षों की पट्टियां लगाना, पशुचारण में कमी लाना, समोच्चरेखीय जुताई और मेड़बन्दी, वनारोपण आदि मृदा संरक्षण के प्रमुख उपाय है।

317. राजस्थान के कौन से प्रदेश में 'एंटीसोल' समूह की मृदा पाई जाती है?

(a) पूर्वी (b) पश्चिमी
(c) दक्षिणी (d) दक्षिण-पूर्वी

RPSC RAS/RTS 2012
Lab Asst. (Science) (II Step) 29.06.2022 Shift-I
कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020

Ans. (b) : एंटीसोल (Entisol) समूह की मृदा पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में पाई जाती है। एंटीसोल मृदा का एक ऐसा वर्ग है जिसके अंतर्गत भिन्न प्रकार की जलवायु में स्थित मृदाओं का समावेश होता है। इस मिट्टी का रंग प्रायः हल्का पीला व भूरा होता है।

318. निम्न मृदाओं में से कौन सा प्रकार पश्चिमी राजस्थान में विशिष्टतः पाया जाता है?

(a) एरिडीसॉल्स (b) अल्फीसॉल्स
(c) एन्टीसॉल्स (d) वर्टीसॉल्स

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

319. राजस्थान के किस प्रदेश में 'एंटीसोल्स' समूह की मृदा पाई जाती है?

(a) पश्चिमी (b) पूर्वी
(c) दक्षिणी (d) दक्षिण-पूर्वी

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (a) एंटीसोल मृदा समूह पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में पाई जाती है।

320. राजस्थान के किस जिले में जलोढ़ मृदा पायी जाती है?

(a) नागौर (b) भरतपुर
(c) बाड़मेर (d) जैसलमेर

Head Cleark Combined Exam-2018

Ans. (b) : राजस्थान के भरतपुर जिले में जलोढ़ मृदा पायी जाती है। जलोढ़ मिट्टी नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी होती है। जलोढ़ मिट्टी अलवर, जयपुर, अजमेर, टोंक, सवाई माधोपुर, भरतपुर व कोटा जिलों में पायी जाती है।

321. भारतीय मौसम विभाग की वेधशाला राजस्थान में कहाँ स्थित है?

(a) माउण्ट आबू (b) जयपुर
(c) कोटा (d) जोधपुर

JEN (Civil) Degree 2020 Date 12.09.2021

Ans. (b) : राजस्थान में भारतीय मौसम की वेधशाला जयपुर में स्थित है। भारतीय मौसम विभाग, भारत सरकार के पृथ्वी मंत्रालय के अधीन काम करता है।

322. निम्न में से कौन-सा एक मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है?

(a) कठोर मौसमी परिस्थितियाँ
(b) बढ़ती आबादी
(c) वनोन्मूलन
(d) अम्लीय भूमि का प्रयोग करना

Udyog Nirikshak Exam (Code-38)-2018

Ans. (d) : मरुस्थलीकरण के प्राकृतिक एवं मानवीय कारणों में मुख्य रूप से वनों की अत्यधिक कटाई, अधिक चराई, बढ़ती आबादी से अधिक खेती, कठोर मौसमी परिस्थितियाँ, वैश्विक जलवायु का बढ़ना एवं भूजल का अत्यधिक दोहन इत्यादि है। अम्लीय भूमि के प्रयोग करने से मरुस्थलीकरण नहीं होता है।

323. राजस्थान में मृदा और जल संरक्षण के लिए पारंपरिक प्रथा हैः

(a) खेत तालाब (b) खडीन
(c) चैक डैम (d) गली प्लग

Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (b) : राजस्थान में मृदा और जल संरक्षण के लिए पारंपरिक प्रथा खडीन है। इसका विकास 15वीं सदी में जैसलमेर के पालीवाल ब्राह्मणों ने किया। यह मिट्टी का बना अस्थायी बाँधनुमा तालाब होता है।

324. राजस्थान के किन जिलों में लाल व पीली मृदा पाई जाती है?

(a) सिरोही-अजमेर-टोंक-जयपुर
(b) सवाई माधोपुर-कोटा-बूंदी-भीलवाड़ा
(c) अजमेर-सिरोही-डूंगरपुर-बांसवाड़ा
(d) सवाई माधोपुर-सिरोही-भीलवाड़ा-अजमेर

Basic Computer Anudeshak-18.06.2022
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम)-2019
कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020
हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018

Ans. (d) : लाल-पीली मिट्टी का निर्माण ग्रेनाइट, शिष्ट नीस आदि के टूटने से हुआ है। इस मिट्टी का प्रसार सवाई माधोपुर, सिरोही, भीलवाड़ा और अजमेर में विस्तारित है। राजस्थान में निम्नलिखित प्रकार की मिट्टियाँ पाई जाती है-रेतीली, बलुई, मरूस्थलीय मिट्टी, भूरी रेतीली मिट्टी, लवणीय मिट्टी, लाल-लोमी मिट्टी आदि।

325. वर्टीसोल्स मृदा किन जिलों में पाई जाती है?

(a) अलवर, जयपुर और दौसा
(b) उदयपुर, राजसमन्द और अजमेर
(c) जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर
(d) झालावाड़, कोटा और बूंदी

Gram Vikash Adhikari (Mukhya Pariksha) 09-07-22
Agriculture Superviser 2021
कृषि पर्यवेक्षक -2021
सहायक अग्निशमन अधिकारी (एएफओ) -2021
पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (d) : वर्टीसोल्स (चिकनी) मृदा राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी भाग झालावाड़. कोटा और बूंदी में अधिकांशतः पायी जाती है। यह चिकनी मिट्टी होती है। सूखने पर गहरी चौड़ी दरारें बनती है। जबकि गीली होने पर चिपचिपी और प्लास्टिक जैसे चिकनी और चिपचिपी हो जाती है। राजस्थान की मिट्टी उस्टर्स (Usterts) के उप-क्रम के अन्तर्गत आती है और दो महान समूहों से जुड़ी हुई है। (i) क्रोमस्टर्स (ii) पेलस्टर्ट्स